वाहन क्षेत्र के परिदृश्य में हो रहा सुधार

राम प्रसाद साहू
मुंबई, 5 मार्च

बीएसई ऑटो इंडेक्स पिछले साल के दौरान सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले सूचकांकों में से एक रहा और इसने 26 प्रतिशत का शानदार प्रतिफल दिया। तुलनात्मक तौर पर निफ्टी-50 और सेंसेक्स इस अवधि के दौरान 6 से 8 प्रतिशत के बीच प्रतिफल देने में कामयाब रहे। सुधरती मांग, कच्चे माल की घटती कीमतों, और बढ़ती उत्पाद प्राप्तियों से घरेलू ब्रोकरों को आय वृद्धि अनुमानों को बढ़ाने में मदद मिली है।

हालांकि कई सेगमेंटों (ट्रैक्टर को छोड़कर) ने फरवरी में सुस्त बिक्री दर्ज की, लेकिन ब्रोकरों को इस क्षेत्र को कई कारकों से मदद मिलने की संभावना है।

वाणिज्यिक वाहन (सीवी) क्षेत्र में, बढ़ती कनेक्टिविटी और ई-कॉमर्स की लोकप्रियता में तेजी आने से स्मॉल एवं इंटरमीडिएट व्हीकल स्पेस में सुधार आने की संभावना है।

बीऐंडके सिक्योरिटीज का मानना है कि आर्थिक गतिविधियों, इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में सुधार की मदद से मध्यम एवं भारी सीवी बिक्री लगातार मजबूत रहेगी, वहीं उपयोगिता स्तरों में तेजी आने और रीप्लेसमेंट मांग मजबूत होने से भी इस क्षेत्र की कंपनियों को मदद मिलेगी।

बढ़ती स्वामित्व लागत और ग्रामीण आय पर दबाव तथा वृहद आर्थिक चुनौतियों, संबद्ध बाजारों में विदेशी एक्सचेंज उपलब्धता के अभाव को देखते हुए दोपहिया सेगमेंट और निर्यात बाजार में घरेलू एंट्री-लेवल वाहन पर दबाव दिखेगा। हालांकि दोपहिया में प्रीमियम सेगमेंट का प्रदर्शन बेहतर रहने की संभावना है, क्योंकि सेमीकंडक्टर आपूर्ति से जुड़ी समस्या दूर हुई है। इसके अलावा, आईसीआईसीआई डायरेक्ट के शोध विश्लेषकों शशांक कनौड़िया और राघवेंद्र गोयल का मानना है कि दोपहिया खंड में महंगे वाहनों के प्रति बढ़ती दिलचस्पी बढ़ेगी, क्योंकि नई कर व्यवस्था की वजह से खर्च योग्य आय में इजाफा होगा।

यात्री वाहन (पीवी) कंपनियों को भी आपूर्ति संबंधित चुनौतियां घटने से मदद मिलेगी और वे अगले कुछ वर्षों के दौरान दो अंक की वृद्धि दर्ज कर सकती हैं।

मोतीलाल ओसवाल रिसर्च के विश्लेषक गौतम दुग्गड़ का मानना है कि मांग, आपूर्ति और मार्जिन में सुधार आने से वाहन क्षेत्र की आय तेजी से बढ़ सकेगी। वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में निफ्टी ऑटो के लिए 26 प्रतिशत आय अपग्रेड (महामारी प्रभावित तिमाही को छोड़कर पांच साल में सर्वाधिक) और प्रबंधन द्वारा जताए जा रहे सकारात्मक अनुमानों से इस क्षेत्र के लिए मजबूत परिदृश्य पैदा हुआ है। ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि वाहन क्षेत्र के लिए खराब समय पीछे छूट गया है।

ऊंची उम्मीदों को देखते हुए, चार मिडकैप-लार्जकैप कंपनियां 15 प्रतिशत से ज्यादा की बिक्री वृद्धि दर्ज कर सकती हैं और वित्त वर्ष 2025 के दौरान कम से कम 30 प्रतिशत की आय दर्ज की जा सकती है। हालांकि कई अन्य कंपनियां (खासकर कलपुर्जा आपूर्तिकर्ता और निर्यातक) मजबूत नजर आ रही हैं, लेकिन कुछ ब्रोकर यूरोप से जुड़े उनके जोखिम, मौद्रिक उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखते हुए सतर्कता बरत रहे हैं।

मजबूत राह

- बिक्री के अलावा, इस क्षेत्र की कंपनियों के लिए मार्जिन में भी सुधार आने की संभावना बढ़ी है
- कच्चे माल की घटती कीमतों, और बढ़ती उत्पाद प्राप्तियों से घरेलू ब्रोकरों को आय वृद्धि अनुमानों को बढ़ाने में मदद मिली है
- विश्लेषकों का मानना है कि आपूर्ति और मार्जिन में सुधार आने से वाहन क्षेत्र की आय तेजी से बढ़ सकेगी

अशोक लीलैंड

मजबूत मांग परिदृश्य के अलावा, यह कंपनी अपनी बाजार भागीदारी वित्त वर्ष 2022 के 27 प्रतिशत से बढ़ाकर 32 प्रतिशत पर पहुंचाने में सफल रही है। प्रभुदास लीलाधर रिसर्च के अनुसार, कंपनी द्वारा अपनी बाजार भागीदारी बरकरार रखे जाने की संभावना है, क्योंकि उसे सीवी, बस सेगमेंट में तेजी, नेटवर्क विस्तार, और नए उत्पादों से मदद मिल सकती है।

मारुति सुजूकी इंडिया

कमजोर बिक्री, आपूर्ति संबंधित समस्याओं, हाई-ग्रोथ स्पोर्ट स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल सेगमेंट में कमजोर उत्पाद पोर्टफोलियो और बढ़ती उत्पादन लागत की वजह से पिछले चार साल के दौरान इस सबसे बड़ी पीवी निर्माता को चुनौतीपूर्ण बदलावों से गुजरना पड़ा। यह शेयर अपने 2023-24 की आय के 21 गुना पर कारोबार कर रहा है, जो उसके 24 गुना के पिछले 10 वर्षीय औसत से कम है।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा

जहां कंपनी को बढ़ती परिचालन दक्षताओं की वजह से ओसाका की कुबोटा कॉरपोरेशन के साथ भागीदारी से अल्पावधि में मदद मिलेगी, वहीं संभावित बाजार भागीदारी वृद्धि, और ऊंचे निर्यात, हाल की तिमाहियों में मार्जिन पर दबाव और संपूर्ण बाजार भागीदारी को लेकर चिंताएं पैदा हुई हैं।

फिलिपकैपिटल रिसर्च ने इस शेयर पर सतर्क रुख अपनाया है।

मदरसन सूमी वायरिंग इंडिया

कंपनी मुख्य तौर पर पीवी निर्माताओं को आपूर्ति करती है, जिसे देखते हुए आपूर्ति संबंधित समस्याओं और मांग की चिंताओं से यह वायरिंग दिग्गज प्रभावित हुई है।

समस्याओं के बावजूद, कंपनी ने इस क्षेत्र की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है और बाजार भागीदारी में इजाफा दर्ज किया है।

च्वॉइस इक्विटी ब्रोकिंग वायरिंग हार्नेस की बढ़ती पैठ की वजह से इस कंपनी पर उत्साहित है। वायरिंग हार्नेस एक ऐसा पोर्टफोलियो है जो इलेक्ट्रिक वाहन प्रक्रिया में मददगार होता है। इस पोर्टफोलियो में सुधार से नियोजित पूंजी पर प्रतिफल को बढ़ावा मिलेगा।

भारत का एमकैप-जीडीपी अनुपात जा सकता है 100 से नीचे

मौजूदा वित्त वर्ष में भारत का बाजार पूंजीकरण (एमकैप)-सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुपात 100 से नीचे रह सकता है। अगर ऐसा हुआ तो 2019-20 के बाद यह पहला मौका होगा जब यह अनुपात दो अंकों में देखने को मिलेगा।

मोतीलाल ओसवाल के मुताबिक, अभी भारत का एमकैप-जीडीपी अनुपात वित्त वर्ष 23 के अनुमानित जीडीपी का करीब 95 फीसदी है।

100 से नीचे जाने से संकेत मिलता है कि बाजार शांत हो गया है, लेकिन अभी इसका आकर्षक स्तर तक गिरना बाकी है। पिछले 12 वर्षों में देसी बाजारों के लिए औसत एमकैप-जीडीपी अनुपात 80 फीसदी रहा है।

ये आंकड़े पिछले दो महीनों में भारत का बाजार पूंजीकरण 31 लाख करोड़ रुपये घटकर 258 लाख करोड़ रुपये तक आने की कहानी बताते हैं, जो मुख्य रूप से अदाणी समूह के शेयरों के टूटने के चलते हुआ है। **समी मोडक**

अभी भी महंगा

यह अनुपात अभी भी 12 साल के औसत 80 से ऊपर है

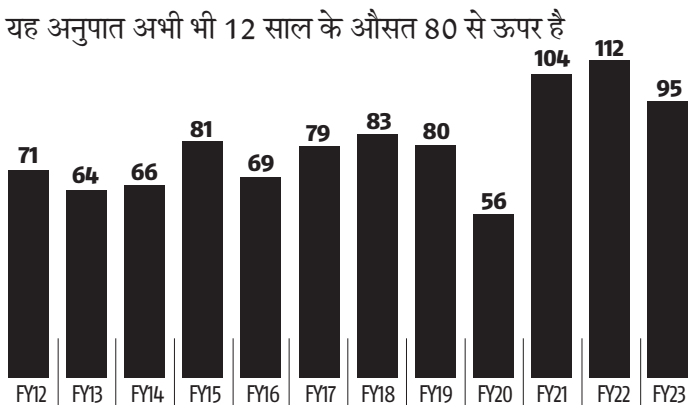

स्रोत : मोतीलाल ओसवाल

बाजार हलचल

उछाल के बाद निफ्टी-50 में और बढ़त की उम्मीद

चार महीने में सबसे बड़ी एकदिवसीय उछाल दर्ज करने के बाद बेंचमार्क नैशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी-50 में और बढ़त की उम्मीद है। 200 दिन के मूविंग एवरेज 17,400 से बड़ी तेजी ने तकनीकी विश्लेषकों को काफी भरोसा दिया है। शुक्रवार को निफ्टी 17,594 पर बंद हुआ। एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक रूपक डे ने कहा, रोजाना के चार्ट पर निफ्टी ने एकीकृत होने के साथ बढ़त दर्ज की, जो आशावाद में बढ़ोतरी दर्शाती है। अगर निफ्टी 17,650 से ऊपर निकलेगा तो यह और भी ऊपर जा सकता है। दूसरी ओर, इसका प्रतिरोध स्तर 17,800 है। निचले स्तर पर उसे 17,470 पर समर्थन है। कुछ का मानना है कि जब तक बाजार हालिया निचले स्तर 17,255 से ऊपर बना रहता है, सकारात्मक रुख बरकरार रहेगा।

तीन कंपनियों की लॉक-इन एक्सपायरी नजदीक

निजी क्षेत्र के येस बैंक, धर्मज क्रॉप गार्ड और यूनिपार्ट्स इंडिया पर इस हफ्ते नजर रहेगी क्योंकि उनके शेयरों के एक हिस्से की लॉक इन अवधि एक्सपायर होने वाली है। येस बैंक के मामले में भारतीय स्टेट बैंक और अन्य लेनदारों पर आरबीआई ने तीन साल की लॉक इन अवधि इक्विटी पुनर्गठन कार्यक्रम के तहत तय की थी। इस बीच, धर्मज और यूनिपार्ट्स के मामले में एंकर निवेशकों की 90 दिन की लॉक इन अवधि एक्सपायर होने के करीब है। विश्लेषकों ने कहा, तीनों शेयर दबाव में आ सकते हैं क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से दरों में बढ़ोतरी की आशंका से बाजार का सेंटिमेंट कमजोर है। अभी धर्मज अपने इश्यू प्राइस से 29 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा है जबकि यूनिपार्ट्स का शेयर अपने इश्यू प्राइस से 3.3 फीसदी नीचे ट्रेड कर रहा है। लेनदारों के लिए येस बैंक के शेयर की अधिग्रहण लागत 10 रुपये प्रति शेयर थी जबकि मौजूदा भाव 16.9 रुपये है।

व्हर्लपूल ऑफ इंडिया हो सकती है एफऐंडओ से बाहर

व्हर्लपूल ऑफ इंडिया को डेरिवेटिव सेगमेंट से बाहर निकाले जाने की आशंका है। विगत में वायदा एवं विकल्प (एफऐंडओ) से बाहर निकाले गए शेयरों के प्रदर्शन का रुख कमजोर रहा है। नुवामा के एक नोट में कहा गया है, नौ में से सात मौकों पर घोषणा से पहले शेयर एक व दो हफ्तों में टूटा है और औसत गिरावट 4.5 फीसदी व 3.5 फीसदी रही है। ब्रोकरेज ने कहा कि व्हर्लपूल को निकाले जाने की वजह कम ओपन इंटरेस्ट है। इसमें कहा गया है कि व्हर्लपूल को वायदा एवं विकल्प से निकाले जाने की घोषणा इस महीने हो सकती है।

संकलन : समी मोडक और सुंदर सेतुरामन

चीन से पैसा नहीं निकाल पा रहा हूं: मार्क मोबियस

अरबपति निवेशक मार्क मोबियस ने फॉक्स बिजनेस को बताया कि वह चीन की पूंजी संबंधित सख्ती की वजह से देश से पैसा नहीं निकाल सकते हैं। उन्होंने निवेशकों को सरकार की सख्ती के अधीन अर्थव्यवस्था (चीन) में निवेश को लेकर निवेशकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी है। मोबियस कैपिटल पार्टनर्स के संस्थापक मोबियस ने 2 मार्च को प्रकाशित हुए साक्षात्कार में फॉक्स बिजनेस को बताया, 'शांघाई में मेरा एचएसबीसी में खाता है। मैं उसमें से अपना पैसा नहीं निकाल सकता। सरकार देश से बाहर पूंजी प्रवाह पर सख्ती बरत रही है।'

मोबियस के बयान सप्ताहांत में चीन की सोशल मीडिया साइट वीचैट पर प्रसारित हुए थे। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हो रहा है। वे सभी तरह के प्रतिबंध लगा रहे हैं। वे यह नहीं कह रहे कि आप अपना पैसा नहीं निकाल सकते। लेकिन उनका कहना है कि हमें 20 साल के सभी रिकॉर्ड दो कि आपने यह कमाई कैसे की। यह मूर्खता है।'

मोबियस ने फ्रैंकलिन टेम्पलटन इन्वेस्टमेंट्स में उभरते बाजार के निवेश का तीन दशकों तक प्रबंधन किया और उन्हें चीन पर अपने तेजी के नजरिये के लिए जाना जाता रहा है। हालांकि अब उनका कहना है कि वे चीन में निवेश को लेकर बेहद सतर्क रहेंगे।

पूर्व चीनी नेता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मतलब यह है कि चीन अपने पूर्व नेता डेंग जियाओपिंग की तुलना में पूरी तरह अलग दिशा में जा रहा है। जियाओपिंग ने बड़े सुधार कार्यक्रम की शुरुआत की थी।' *रॉयटर्स*

Nagpur Smart and Sustainable City Development Corporation Limited

CIN: U74999MH2016SGC283173

REGD OFF: NEW ADMINISTRATIVE BUILDING, NAGPUR MUNICIPAL CORPORATION, PALM ROAD, CIVIL LINES, NAGPUR-440001, Maharashtra, India. **Landline :** +91-712-2567037, **Email:** ceonsscdcl@gmail.com, **Website:** www.nsscdcl.org

NOTICE INVITING TENDERS FOR 2022-23

Nagpur Smart and Sustainable City Development Corporation Limited (NSSCDCL) invites tender notice for the below mentioned works :

Tender Notice No.	Name of Work	Estimated Project Cost (In Rs.)	Cost of Tender Document (In Rs.)	EMD Cost (In Rs.)	Completion/ Implementation Period (months)
35/MOB/ NSSCDCL/ 2022-23	Request for Proposal For Construction of Bridges on roads in ABD Area under Nagpur Smart City Project, **Package – V** (MNB-05B, 08A, MJB-06, 12 & Balance work of 10 Bridges)	22,23,58,723/-	5,900/- (Including GST)	11. 12 Lakhs	6 Months (Including Monsoon)

- Detailed NIT & Bid Documents can be seen at the website **https://mahatenders.gov.in** and can be downloaded from the same.
- The Bid Documents can be purchased only online from **03/03/2023 from 18:00 Hrs. to 17/03/2023 on 12:30 Hrs.**
- Any subsequent addendum/ corrigendum shall be published only at website **https://mahatenders.gov.in.**
- Right to reject any or all tenders without assigning any reason there of is kept reserved by the CEO, NSSCDCL.

Date : 03.03.2023
Place : Nagpur

Sd/-
Chief Executive Officer, NSSCDCL

रितेश प्रॉपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (इसके बाद 'आरपीआईएल' या 'लक्षित कंपनी' या 'टीसी' के रूप में संदर्भित)
के शेयरधारकों के लिए यथासंशोधित सेबी (शेयरों और अधिग्रहणों का पर्याप्त टेकओवर)
विनियम, 2011 के विनियम 18 (12) के तहत पोस्ट ऑफर विज्ञापन

रितेश प्रॉपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड

(सीआईएन: L74899DL1987PLC027050)
पंजीकृत कार्यालय: 11/5 बी, पहली मंजिल, पूसा रोड, नई दिल्ली -110060
फोन नंबर: 011-41537951/+91-9212359076; फैक्स: लागू नहीं
वेबसाइट: www.riteshindustries.us; ईमेल आईडी: info@riteshindustries.us
कॉर्पोरेट कार्यालय: प्लॉट नंबर 312, उद्योग विहार, फेज IV, गुड़गांव-122 015 (हरियाणा), दूरभाष: 0124-4111582

यथा संशोधित भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों और अधिग्रहणों का पर्याप्त टेकओवर) विनियम, 2011, (''सेबी (एसएएसटी) विनियम'') के प्रावधानों के अनुसार पर्सन्स एक्टिंग इन कन्सर्ट (''पैक्स'') सहित फिनडॉक फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा टारगेट कम्पनी के सार्वजनिक शेयरधारकों से रितेश प्रॉपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (इसके पश्चात 'लक्षित' या 'लक्षित कम्पनी' या 'आरपीआईएल' संदर्भित) के अंकित मूल्य रु. 1/- प्रत्येक के 6,90,84,020 इक्विटी शेयरों तक के अधिग्रहण के लिए ओपन ऑफरजो इसकी विस्तारित इक्विटी शेयर पूंजी का 25.19% है।

यह पोस्ट ऑफर विज्ञापन ('पोस्ट ऑफर विज्ञापन'), सेबी (एसएएसटी) विनियमों के विनियम 18(12) के अनुसार अधिग्रहणकर्ता और पीएसी की ओर से ओपन ऑफर के संदर्भ में अल्मॉन्ड्ज ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड, 'प्रस्ताव प्रबंधक ' या 'प्रबंधक') द्वारा जारी किया जा रहा है इस पोस्ट ऑफर विज्ञापन को निम्नलिखित के साथ में पढ़ा जाना चाहिए: (ए) 6 अक्टूबर, 2022 की सार्वजनिक घोषणा ('पीए'); (बी) अक्टूबर 13,2022 ('डीपीएस') पर प्रकाशित विस्तृत सार्वजनिक वक्तव्य; और (सी) स्वीकृति सह पावती ('एलओएफ') के फॉर्म के साथ जनवरी 28, 2023 दिनांकित प्रस्ताव पत्र; (डी) प्रस्ताव फरवरी 7, 2023 को प्रकाशित प्रारंभिक सार्वजनिक घोषणा और शुद्धिपत्र (''ऑफर ओपनिंग पब्लिक अनाउंसमेंट एंड कोरिजेंडम') और 13 फरवरी, 2023 को प्रकाशित अतिरिक्त सार्वजनिक विज्ञापन।

डीपीएस, ऑफर ओपनिंग पब्लिक अनाउंसमेंट और शुद्धिपत्र और अतिरिक्त सार्वजनिक विज्ञापन बिजनेस स्टैंडर्ड (अंग्रेजी - सभी संस्करण), बिजनेस स्टैंडर्ड (हिंदी सभी संस्करण), और नवशक्ति (मराठी भाषा) समाचार पत्रों में प्रकाशित किए गए थे।

यह पोस्ट ऑफर विज्ञापन उपरोक्त सभी समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जा रहा है। इस पोस्ट ऑफर विज्ञापन में उपयोग किए गए लेकिन परिभाषित नहीं किए गए पूंजीकृत शब्दों का अर्थ एलओएफ में ऐसी शर्तों को निर्दिष्ट किया जाएगा

1. लक्ष्य कंपनी का नाम : रितेश प्रॉपर्टीज एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
2. अधिग्रहणकर्ता और पीएसी का नाम : फिनडॉक फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता)
   हेमंत सूद (पीएसी1)
   सोनिया अग्रवाल (पीएसी2)
3. प्रस्ताव के प्रबंधक का नाम : अलमॉन्ड्ज ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड
4. ऑफर के रजिस्ट्रार का नाम : स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
5. प्रस्ताव विवरण:
   ए. ऑफर खुलने की तारीख : फरवरी 8,2023
   बी. ऑफर बंद होने की तारीख : 21 फरवरी, 2023
   सी. कंसीडरेशन के भुगतान की तिथि : 1 मार्च, 2023
7. अधिग्रहण का विवरण:

क्र.सं.	विवरण	ऑफर दस्तावेज में प्रस्तावित		एक्चुअल्स	
7.1	ऑफर प्राइस	रु. 42.90		रु. 42.90	
7.2	निविदाकृत शेयरों की सकल संख्या	6,90,84,020		4,600	
7.3	स्वीकृत शेयरों की सकल संख्या	6,90,84,020		4,600	
7.4	ऑफर का साइज (शेयरों की संख्या और प्रति शेयर ऑफर प्राइस का गुणनफल)	रु. 296,37,04,458/-		रु. 1,97,340/-	
		शेयरों की संख्या	विस्तारित इक्विटी शेयर पूंजी का %	शेयरों की संख्या	विस्तारित इक्विटी शेयर पूंजी का %
7.5	समझौतों/सार्वजनिक घोषणा से पहले अधिग्रहणकर्ता की शेयरधारिता (संख्या और %)	8,50,58,590	33.06%	8,50,58,590	33.06%
7.6	समझौतों के माध्यम से प्राप्त शेयर (पूरी तरह से डाइल्यूटेड इक्विटी शेयर पूंजी का प्रतिशत)	Nil	Nil	Nil	Nil
7.7	पीए के समय ओएफसीडी के रूपांतरण के माध्यम से प्राप्त शेयर[2]	1,69,13,860	6.17%	1,69,13,860	6.17%
7.8	ओपन ऑफर के माध्यम से प्राप्त शेयर (संख्या और पूरी तरह से डाइल्यूटेड इक्विटी शेयर पूंजी का %)	Upto 6,90,84,020	25.19%[3]	4,600	0.0017%
7.9	विस्तृत सार्वजनिक विवरण के बाद अधिग्रहीत शेयर (अधिग्रहीत शेयरों की संख्या, मूल्य और अधिग्रहीत शेयरों का प्रतिशत)	Nil	Nil	Nil	Nil
7.10	अधिग्रहणकर्ता के पोस्ट ऑफर की शेयरधारिता (इक्विटी शेयर पूंजी की संख्या और पूरी तरह से डाइल्यूटेड का %)	17,10,56,470[4]	62.38%	10,19,77,050	37.19%
7.11	जनता की प्री-ऑफर शेयरहोल्डिंग	6,90,84,020	25.19%	6,90,84,020	25.19%
	जनता की पोस्ट ऑफर शेयरधारिता	Nil[5]	Nil[5]	6,90,79,420	25.19%

* जब तक अन्यथा न कहा गया हो, उपरोक्त तालिका में प्रकट प्रतिशतों की गणना विस्तारित वोटिंग शेयर पूंजी के आधार पर की जाती है।

(1) लक्षित कंपनी की विस्तारित इक्विटी शेयर पूंजी को 27,42,07,700 इक्विटी शेयर माना गया है।

(2) जैसा कि सार्वजनिक घोषणा, विस्तृत सार्वजनिक वक्तव्य और प्रस्ताव पत्र में खुलासा किया गया है, ट्रिगरिंग घटना इक्विटी शेयरों में 1,69,13,860 ओएफसीडी का रूपांतरण था, जो लक्ष्य कंपनी की विस्तारित इक्विटी शेयर पूंजी के 6.17% का प्रतिनिधित्व करता है।

(3) लक्ष्य कंपनी की सार्वजनिक शेयरधारिता 25.19% है और इसलिए ऑफर शेयर 6,90,84,020 थे, जो ओपन ऑफर में पूर्ण स्वीकृति मानते हुए पूरी तरह से भुगतान किए गए विस्तारित इक्विटी शेयर पूंजी के 25.19% का प्रतिनिधित्व करते हैं।

(4) पोस्ट ऑफर एक्वायरर की शेयरहोल्डिंग एक्वायरर की मौजूदा शेयरहोल्डिंग को 8,50,58,590 इक्विटी शेयर + 1,69,13,860 इक्विटी शेयर ओएफसीडी से परिवर्तित + 6,90,84,020 इक्विटी शेयर ओपन ऑफर में ऑफर के रूप में दर्शाती है।

(5) पब्लिक शेयरहोल्डिंग को 25.19% मानते हुए और ओपन ऑफर में पूर्ण स्वीकृति मानते हुए, ऑफर के बाद पब्लिक शेयरहोल्डिंग शून्य होगी।

8 अन्य जानकारी

8.1 अधिग्रहणकर्ता, अधिग्रहणकर्ता के निदेशकों के रूप में इसके निदेशक, और पीएसी अलग-अलग और संयुक्त रूप से इस पोस्ट ऑफर विज्ञापन में निहित जानकारी और सेबी (एसएएसटी) विनियमों के तहत दायित्वों के लिए पूरी जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं।

8.2 इस पोस्ट ऑफर विज्ञापन की एक प्रति सेबी (www.sebi.gov.in), बीएसई लिमिटेड (www.bseindia.com), ओपन ऑफर के प्रबंधक (www.almondz-global.com) की वेबसाइटों पर और लक्ष्य कंपनी के पंजीकृत कार्यालय पर भी उपलब्ध होगी।

प्रबंधक द्वारा अधिग्रहणकर्ता की ओर से ऑफर के लिए जारी किया गया

ओपन ऑफर के प्रबंधक	ओपन ऑफर के रजिस्ट्रार
almondz the game changer	Skyline Financial Services Pvt. Ltd.
आल्मंड्ज द गेम चेंजर आल्मंड्ज ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड एफ-33/3, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-II, नई दिल्ली-110020 संपर्क नंबर: 011 -43500700 / 8800513939 ई-मेल - merchantbanker@almondz.com वेबसाइट : www.almondzalobal.com निवेशक शिकायत: investorgrievance@almondz.com सेबी पंजीकरण सं. : INM000000834 वैधता : स्थायी सम्पर्क व्यक्ति : श्री अजय प्रताप	स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड डी-153-ए, प्रथम तल, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-I, नई दिल्ली-110020 संपर्क नंबर: 011-40450193-97 ईमेल - grievances@skylinerta.com: ipo@skylinerta.com वेबसाइट : www.skylinerta.com सेबी पंजीकरण सं. : INR000003241 वैधता : स्थायी सम्पर्क व्यक्ति : श्रीमती रती गुप्ता

फिनडॉक फिनवेस्ट (अधिग्रहणकर्ता)	श्री हेमन्त सूद (पीएसी1)	श्रीमती सोनिया अग्रवाल (पीएसी 2)
ह./-	ह./-	ह./-

स्थान : नई दिल्ली
तिथि :4 मार्च, 2023